



A Report on visit of Gen-Next Democracy Network Programme Delegates to HFRI, from Colombia, Germany, Panama, Dominican Republic and Senegal and India

As a part of activities for Azadi Ka Amrit Mahotsav Indian Council for Cultural Relations (ICCR) is organizing exposure visit for the 25 delegates from Colombia, Germany, Panama, Dominican Republic and Senegal and India. This team led by Shri Kamal Jeet Singh, Senior Program Director, Visitors Program Section, Indian Council for Cultural Relations, Ministry of External Affairs, Government of India visited HFRI On 18.10.2022. These young delegates are the members of political parties (both ruling and opposition), entrepreneurs and rising leaders in their respective countries. He hoped that the visiting delegations and the Scientists of HFRI, Shimla will definitely be benefitted from the discussion on various aspects of forestry research and environmental conservation. Sh Singh Informed that visits



are organized for the representatives of 75 democratic countries of the world during which the delegation is made aware about Indian democracy, culture and cultural heritage. At the outset, Dr. Sandeep Sharma, Director, HFRI, Shimla welcomed the Gen-Next Democracy Network Programme Delegates for choosing HFRI, Shimla as a part of this important visit. Programme Director informed that during this visit, the team also visited Parliament of India, Election Commission of India, New Delhi Municipal Committee, Agra, Amritsar and today to HFRI, Shimla. Dr. Vaneet Jishtu, Senior Scientist and his team apprised the team about the important flora of western Himalayas and also organized a knowledgeable walk of the adjoining forest and showed the important tree, herb and shrub species being found in and around Shimla. Dr. Jishtu also apprised the visiting delegations about the forestry research activities being undertaken by the Institute towards development of forestry and conservation of environment in the western Himalayan States of the country. After this a detailed interaction session was also organized in which the delegates of the visiting team and the Scientists and Officers actively participated. After this, a visit to Technology Demonstration Centre (TDC) was also organized where the technologies developed by HFRI, Shimla in the field of forestry were also shown and explained to the visiting party. The visiting delegates showed their keen interest in the forestry research works being carried out by HFRI, Shimla for the development of forestry and environment conservation in Himalayan region of the country.

Glimpses of the Programme





Media Coverage

5 देशों के प्रतिनिधियों ने किया हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान का दौरा

जनरेशन नेक्स्ट डैमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत शिमला पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

सवेरा ड्यूरो

शिमला, 18 अगस्त: जनरेशन नेक्स्ट डैमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम प्रतिनिधिमंडल ने शिमला स्थित हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक कमल जीत सिंह ने की। उन्होंने बताया कि विश्व के 75 लोकतांत्रिक देशों के प्रतिनिधियों के लिए इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारतीय लोकतंत्र तथा संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत के बारे में अवगत करवाया जाता है। बताया कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की गतिविधियों के एक भाग के रूप में कोलंबिया, पनामा, डोमिनिकन गणराज्य, सेनेगल, जर्मनी तथा भारत के 25 प्रतिनिधियों के लिए एकसोजर विजिट का आयोजन किया जा रहा है। ये युवा प्रतिनिधि अपने-अपने देशों में राजनीतिक दलों, उद्यमियों और उभरते नेताओं के रूप में जाने जाते हैं। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

के निदेशक डॉ संदीप शर्मा ने इस महत्वपूर्ण यात्रा के हिस्से के रूप में संस्थान को चुनने के लिए जनरल नेक्स्ट डैमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम डेलिगेट्स का स्वागत किया। प्रारंभ में उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक कमल जीत सिंह के नेतृत्व में अतिथि दल का औपचारिक स्वागत तथा अभिनंदन किया।

डॉ वनीत जिष्ट वरिष्ठ वैज्ञानिक और उनकी टीम ने पश्चिमी हिमालय के महत्वपूर्ण वनस्पतियों के बारे में अवगत कराया और आसपास के जंगल की जानकारीपूर्ण सैर का आयोजन भी किया और शिमला और उसके आसपास पाए जाने वाले महत्वपूर्ण पेड़, जड़ी-बूटियों और झाड़ियों की प्रजातियों को दिखाया। डॉ जिष्ट ने अतिथि प्रतिनिधि को देश के पश्चिमी हिमालयी राज्यों में वानिकी के विकास और पर्यावरण के संरक्षण के लिए संस्थान द्वारा की जा रही वानिकी अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी अवगत कराया। इसके बाद एक

विस्तृत संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें अतिथि दल के प्रतिनिधियों और वैज्ञानिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

विदेशी प्रतिनिधियों ने देश के इस महत्वपूर्ण हिस्से में वानिकी के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किए जा रहे वानिकी अनुसंधान कार्यों में अपनी गहरी रुचि दिखाई। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की स्थापना 1950 में स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद ने की थी। इसका उद्देश्य भारत के बाहरी सांस्कृतिक संबंधों से संबंधित नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से भाग लेना है। भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ को बढ़ावा देना और मजबूत करना व अन्य देशों और लोगों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और राष्ट्रों के साथ संबंध विकसित करना है।

Denik Savera

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

हिमाचल दस्तक ■ शिमला

जनरेशन नेक्स्ट डैमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल की अगुआई कमल जीत सिंह, वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक, आगतुक्त कार्यक्रम अनुभाग, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय ने की।

उन्होंने बताया कि विश्व के 75 लोकतांत्रिक देशों के प्रतिनिधियों के लिए इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारतीय लोकतंत्र तथा संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत के बारे में

पश्चिमी हिमालय की वनस्पतियों से करवाया अवगत

डॉ. वनीत जिष्ट, वरिष्ठ वैज्ञानिक और उनकी टीम ने पश्चिमी हिमालय के महत्वपूर्ण वनस्पतियों के बारे में अवगत कराया और आसपास के जंगल की जानकारीपूर्ण सैर का आयोजन भी किया और शिमला और उसके आसपास पाए जाने वाले महत्वपूर्ण पेड़, जड़ी-बूटियों और झाड़ियों की प्रजातियों को दिखाया। डॉ. जिष्ट ने अतिथि प्रतिनिधि को देश के पश्चिमी हिमालयी राज्यों में वानिकी के विकास और पर्यावरण के संरक्षण के लिए संस्थान द्वारा की जा रही वानिकी अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी अवगत कराया। इसके बाद एक विस्तृत संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि दल के प्रतिनिधियों और वैज्ञानिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके पश्चात संस्थान द्वारा हाल ही में स्थापित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का भी दौरा किया गया, जहां संस्थान द्वारा वानिकी के क्षेत्र में विकसित प्रौद्योगिकियों को भी प्रदर्शित किया है।

अवगत करवाया जाता है। संस्थान के निदेशक डॉ संदीप शर्मा ने इस महत्वपूर्ण यात्रा के हिस्से के रूप में संस्थान को चुनने के लिए जनरल नेक्स्ट डैमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम डेलिगेट्स का स्वागत किया।

प्रारंभ में डॉ शर्मा ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली के वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक कमल जीत सिंह के नेतृत्व में अतिथि दल का औपचारिक स्वागत तथा अभिनंदन किया।

Himachal Dastak
